ग्यारहवीं

राजस्थान विधान सभा

की

कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक : 9] सोमवार, 26 अगस्त, 2002 [संख्या : 1

अध्यक्ष

श्री परसराम मदेरणा

उपाध्यक्ष

श्री देवेन्द्र सिंह

सभापति-तालिका

श्री रामनारायण चौधरी
श्री हीरासिंह चौहान
श्री शिवनाथ सिंह
श्री दिग्विजय सिंह

राजस्थान विधान सभा सचिवालय
जयपुर

विषय-सूची

सोमवार, 26 अगस्त, 2002

क्रम संख्या 1	विषय 2	स्कम्भ संख्या 3
1.	सदन पटल पर रखे गये पत्रादि	1
	—अनुमति प्राप्त विधेयक	
	(क) राष्ट्रपति महोदय द्वारा अनुमति प्राप्त विधेयक	2
	—राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2001	
	(ख) राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमति प्राप्त विधेयक	2
	—राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2002	
	—राजस्थान विनियोग (लेखानुदान) (संख्या-2) विधेयक, 2002	
	—राजस्थान विनियोग (संख्या-3) विधेयक, 2002	
	—राजस्थान वित्त विधेयक, 2002	
	—राजस्थान सड़क विकास विधेयक, 2002	
	—राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन) विधेयक, 2002	
2.	शोकाभिव्यक्ति	3-20

राजस्थान विधान सभा की कार्यवाही का वृत्तान्त

अंक : 9] ग्यारहवीं विधान सभा के नवें सत्र का पहला दिवस [संख्या : 1

सोमवार;

26 अगस्त, 2002

राजस्थान विधान सभा की बैठक 11.00 बजे विधान सभा भवन, जयपुर में प्रारम्भ हुई।

(श्री परसराम मदेरणा, अध्यक्ष, पदासीन)

राष्ट्रीय गीत

वन्दे मातरम्। वन्दे मातरम्।
सुजलाम् सुफलाम् मलयज शीतलाम्।
शस्य श्यामलाम् मातरम्। वन्दे मातरम्।
शुभ ज्योत्सना पुलकित यामिनी।
फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनी।
सुहासिनी सुमधुर भाषिणी।
सुखदाम् वरदाम् मातरम्।
वन्दे मातरम्, वन्दे मातरम्।

श्री अध्यक्ष : सचिव, विधान सभा।

सदन पटल पर रखे गये पत्रादि

अनुमति प्राप्त विधेयक

सचिव, राजस्थान विधान सभा (श्री महेश सिंह तंवर): महोदय, मैं उन विधेयकों का विवरण सदन की मेज पर रखता हूं जिन पर राष्ट्रपति महोदय अथवा राज्यपाल महोदय की अनुमति प्राप्त हो चुकी है :-

(क) राष्ट्रपति महोदय द्वारा अनुमति प्राप्त विधेयक

(1) राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) विधेयक, 2001

(ख) राज्यपाल महोदय द्वारा अनुमति प्राप्त विधेयक

(1) राजस्थान विनियोग (संख्या-1) विधेयक, 2002

(2) राजस्थान विनियोग (लेखानुदान) (संख्या-2) विधेयक, 2002

(3) राजस्थान विनियोग (संख्या-3) विधेयक, 2002

(4) राजस्थान वित्त विधेयक, 2002

(5) राजस्थान सड़क विकास विधेयक, 2002

(6) राजस्थान भू-राजस्व (संशोधन) विधेयक, 2002

शोकाभिव्यक्ति

-**श्री अध्यक्ष** : माननीय सदस्यगण, शोकाभिव्यक्ति के इस अवसर पर मैं गत दिनों दिवंगत हुए भारत के उप राष्ट्रपति श्री कृष्णकांत, पूर्व उप राष्ट्रपति श्री बी. डी. जत्ती, श्री गुलशेर अहमद, पूर्व राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश; श्री रामलाल ठाकुर, पूर्व राज्यपाल, आन्ध्र प्रदेश एवं पूर्व मुख्य मंत्री, हिमाचल प्रदेश; श्री भवनम वेंकटराम, पूर्व मुख्य मंत्री, आन्ध्र प्रदेश; श्री घनश्याम ओझा, पूर्व मुख्य मंत्री, गुजरात तथा इस विधान सभा के सदस्य श्री भीखाभाई एवं श्री जगत सिंह दायमा, पूर्व सदस्य श्री लक्ष्मीचन्द मेहता, श्री आत्माराम, श्री नत्थीसिंह, श्री हरिवल्लभ शर्मा, श्री जगन सिंह, श्री मथुरेश बिहारी माथुर, सुश्री शन्नो देवी, श्री रामचन्द्र आर्य और श्री चेनाराम चौधरी के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए यह शोक प्रस्ताव प्रस्तुत करता हूं।

श्री मदन दिलावर (अटरू) : माननीय अध्यक्ष महोदय, श्री प्रशांत बुदेंला, जो सेना में स्क्वाड्रन लीडर थे और बगड़ के निवासी थे, उनका देहावसान हो गया। उन्होंने पाकिस्तान का टोही विमान मारकर गिराया था और देश का गौरव बढ़ाया है। मैं सदन की ओर से चाहता हूं कि उनको भी श्रद्धांजलि दी जाए।

श्री अध्यक्ष : बात करेंगे।

भारत के उप राष्ट्रपति श्री कृष्णकांत का जन्म 28 फरवरी, 1927 को पंजाब के अमृतसर जिले के कोट मोहम्मद खान में हुआ। आपने डी.ए.वी. कालेज, लाहौर तथा बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी से एम.एससी. की उपाधि प्राप्त की।

स्वतंत्रता सेनानी और गांधीवादी नेता श्री कृष्णकांत ने भारत छोड़ो आन्दोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा 2 वर्ष जेल में रहे। देश की आजादी और लोकतंत्र के लिए निरन्तर संघर्षशील रहे। श्री कृष्णकांत सैद्धान्तिक राजनीति के प्रबल समर्थक थे।

श्री कृष्णकांत अपने संसदीय जीवन के प्रारम्भ में हरियाणा राज्य से वर्ष 1966 से 1977 तक दो बार राज्य सभा के सदस्य रहे। आप वर्ष 1977 में लोक सभा के सांसद निर्वाचित हुए। संसद के अपने कार्यकाल के दौरान आप अनेक महत्वपूर्ण समितियों के सदस्य रहे।

वर्ष 1990 से 1997 तक आप आन्ध्र प्रदेश के राज्यपाल रहे। इस दौरान कुछ समय के लिए आपके पास तमिलनाडु के

(श्री अध्यक्ष)

राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी रहा। अगस्त, 1997 में आप भारत के उप राष्ट्रपति के पद पर आसीन हुए। आपने राज्य सभा के सभापति के रूप में सदन की कार्यवाही के संचालन को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मानवीय मूल्यों, त्याग और समाज सेवा में अटूट आस्था रखने वाले श्री कृष्णकांत अपने सार्वजनिक जीवन में अनेक सामाजिक, राजनीतिक और लोक कल्याणकारी संगठनों से सम्बद्ध रहे। साहित्य और लेखन में आपकी विशेष रुचि थी। आपने "साइंस इन पार्लियामेंट" नामक पत्रिका का सम्पादन किया। देश की प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में आपके अनेक लेख प्रकाशित हुए।

श्री कृष्णकांत का दिनांक 27 जुलाई, 2002 को निधन हो गया। उनके निधन से देश ने एक सच्चा गांधीवादी नेता और महान संसदविद् खो दिया है।

पूर्व उप राष्ट्रपति श्री बासप्पा दानप्पा जत्ती का जन्म 10 सितम्बर, 1912 को कर्नाटक राज्य के बीजापुर जिले के जामखण्डी तालुका के ग्राम सावगी में हुआ। आपने बी.ए. एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री जत्ती ने अपने प्रशासनिक एवं राजनीतिक जीवन में अनेक पदों पर रहते हुए विभिन्न क्षेत्रों में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुशल राजनीतिज्ञ श्री जत्ती लगभग चार वर्ष पांडिचेरी के उप राज्यपाल रहने के बाद वर्ष 1972 में उड़ीसा के राज्यपाल बनाए गये। वर्ष 1974 से 1979 तक आप भारत के उप राष्ट्रपति तथा राज्य सभा के सभापति रहे। वर्ष 1977 में आप पांच माह देश के कार्यवाहक राष्ट्रपति भी रहे।

पूर्व में आप रियासती राज्य जामखण्डी के विधान मण्डल के सदस्य रहे। इसके पश्चात् आप मुम्बई विधान सभा के सदस्य रहते हुए स्वास्थ्य और श्रम मंत्री रहे। वर्ष 1958 से 1962 तक आप तत्कालीन मैसूर राज्य के मुख्य मंत्री रहे। वर्ष 1967 में मैसूर विधान सभा के लिए पुनः निर्वाचित हुए।

श्री बी.डी. जत्ती का दिनांक 7 जून, 2002 को निधन हो गया।

हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल श्री गुलशेर अहमद का जन्म 3 मार्च, 1921 को मध्य प्रदेश के सतना जिले में हुआ।

-(श्री अध्यक्ष)-

आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री गुलशेर अहमद सातवीं लोक सभा में मध्य प्रदेश के सतना निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस (आई) के सांसद रहे। इससे पूर्व आप वर्ष 1952 से 1956 तक राज्य सभा के सदस्य रहे। वर्ष 1972 से 1977 तक आप मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष पद पर आसीन रहे। वर्ष 1993 में आप हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल रहे।

अधिवक्ता रहे श्री अहमद अपने सार्वजनिक जीवन में अनेक सामाजिक, राजनीतिक और शैक्षणिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे। आप भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड, भोपाल के निदेशक तथा महात्मा गांधी ग्रामोदय यूनिवर्सिटी, चित्रकूट के चांसलर भी रहे।

श्री गुलशेर अहमद का दिनांक 20 मई, 2002 को निधन हो गया।

आन्ध्र प्रदेश के पूर्व राज्यपाल तथा हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री रामलाल ठाकुर का जन्म 15 जनवरी, 1929 को शिमला जिले के ग्राम बरथाटा में हुआ। आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री ठाकुर अपने राजनैतिक जीवन में वर्ष 1957 से 1998 तक हिमाचल प्रदेश विधान मण्डल के लिए एक ही निर्वाचन क्षेत्र से नौ बार निर्वाचित हुए। आप वर्ष 1966 तक कांग्रेस पार्टी के मुख्य सचेतक तथा मुख्य संसदीय सचिव रहे। लगभग दस वर्ष तक आप हिमाचल प्रदेश सरकार में विभिन्न विभागों के मंत्री रहे। जनवरी से जून, 1977 तक आप हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री के पद पर आसीन रहे। बाद में जनता पार्टी मंत्रिमण्डल के कार्यकाल (1977-80) के दौरान आप प्रतिपक्ष के नेता रहे। फरवरी, 1980 से अप्रैल, 1983 तक आप पुनः हिमाचल प्रदेश के मुख्य मंत्री रहे। अगस्त, 1983 में आप आन्ध्र प्रदेश के राज्यपाल बनाए गये।

अपने दीर्घ राजनैतिक जीवन में आपने कांग्रेस पार्टी के अनेक महत्वपूर्ण पदों के दायित्वों का निर्वहन किया।

श्री रामलाल ठाकुर का दिनांक 6 जुलाई, 2002 को निधन हो गया।

आन्ध्र प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री श्री भवनम वेंकटराम का जन्म 18 जुलाई, 1931 को आन्ध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के ग्राम के गोल्लापडु में हुआ। आपने एम.ए. एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

(श्री अध्यक्ष)

श्री वेंक़टराम वर्ष 1978 में आन्ध्र प्रदेश विधान सभा के सदस्य चुने गये। इसी वर्ष आपको आन्ध्र प्रदेश सरकार में शिक्षा मंत्री बनाया गया। श्री वेंकटराम वर्ष 1982 में आन्ध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री पद पर आसीन रहे।

श्री भवनम वेंकटराम का दिनांक 6 अप्रेल, 2002 को निधन हो गया।

गुजरात के पूर्व मुख्य मंत्री श्री घनश्याम ओझा का जन्म 25 अक्टूबर, 1911 को भावनगर जिले के ग्राम उमराला में हुआ। आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री ओझा अपने राजनैतिक जीवन में पहले सौराष्ट्र विधान सभा तथा इसके बाद मुम्बई विधान सभा के सदस्य रहे। सौराष्ट्र सरकार में आप अनेक विभागों के मंत्री भी रहे। आप दूसरी तथा तीसरी लोक सभा में सुरेन्द्र नगर से तथा पांचवीं लोक सभा में राजकोट से सांसद रहे। पांचवीं लोक सभा के कार्यकाल में आप श्रीमती इन्दिरा गांधी के मंत्रिमण्डल में राज्य मंत्री भी रहे। वर्ष 1972-73 में आप गुजरात के मुख्य मंत्री के पद पर आसीन रहे।

श्री ओझा अपने सार्वजनिक जीवन में शिक्षा, चिकित्सा सहायता तथा हरिजन उत्थान से सम्बन्धित अनेक संस्थाओं से जुड़े रहे।

श्री घनश्याम ओझा का दिनांक 12 जुलाई, 2002 को निधन हो गया।

राजस्थान सरकार के केबिनेट मंत्री श्री भीखाभाई का जन्म 28 अप्रैल, 1916 को डूंगरपुर जिले की सागवाड़ा तहसील के ग्राम वाडियों का डूंगरा में हुआ। आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

इस सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य श्री भीखाभाई वर्तमान ग्यारहवीं विधान सभा के लिए सागवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए। आप दूसरी, तीसरी, चौथी, पांचवीं तथा दसवीं विधान सभा में भी इसी क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक रहे। विधान सभा के दीर्घ कार्यकाल के दौरान आपने अनेक विभागों के मंत्री पद के दायित्वों का निर्वहन किया। आप अनेक समितियों के सभापति भी रहे। वर्तमान राजस्थान सरकार में आप श्रम नियोजन तथा खादी एवं ग्रामोद्योग विभागों के मंत्री रहे।

(श्री अध्यक्ष)

श्री भीखाभाई पहली एवं सातवीं लोक सभा के सदस्य भी रहे। आपने अनेक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया। आप आदिवासी क्षेत्र विकास आयोग, राजस्थान और अनुसूचित जनजाति राष्ट्रीय आयोग के अध्यक्ष तथा भारत सरकार द्वारा गठित पिछड़ी जाति आयोग के सदस्य भी रहे। पिछड़े वर्ग के कल्याण हेतु गठित अनेक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे श्री भीखाभाई आदिवासियों के विकास के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहे। समाज के उत्थान हेतु की गई सेवाओं के लिए आपको राणा पुंजा अवार्ड तथा महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन, उदयपुर द्वारा सम्मानित किया गया।

श्री भीखाभाई का दिनांक 5 जून, 2002 को निधन हो गया।

विधायक श्री जगत सिंह दायमा का जन्म 23 जुलाई, 1952 को अलवर जिले की तिजारा तहसील के ग्राम सैदपुर में हुआ। आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

वर्तमान ग्यारहवीं राजस्थान विधान सभा के लिए आप बानसूर निर्वाचन क्षेत्र से बहुजन समाज पार्टी के विधायक निर्वाचित हुए। इससे पूर्व आप आठवीं और नौवीं विधान सभा में भी इसी निर्वाचन क्षेत्र से विधायक रहे। विधान सभा के कार्यकाल में आप प्राक्कलन समिति, अधीनस्थ विधान सम्बन्धी समिति, जन लेखा समिति तथा याचिका समिति के सदस्य रहे। नौवीं विधान सभा के कार्यकाल में आप लगभग दो वर्ष राजस्थान सरकार में राज्य मंत्री रहे।

श्री दायमा बहुजन समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे। आप जिला लोकदल के महामंत्री तथा उपाध्यक्ष भी रहे। बास्केटबाल के खिलाड़ी रहे श्री दायमा किसानों, गरीबों, मजदूरों व असहाय लोगों के हितों की रक्षा के लिए प्रयत्नशील रहे।

श्री जगत सिंह दायमा का दिनांक 6 अगस्त, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री लक्ष्मीचन्द मेहता का जन्म 24 अक्टूबर, 1929 को जालौर जिले के सांचौर कस्बे में हुआ। आपने सातवीं कक्षा तक शिक्षा प्राप्त कीं।

श्री लक्ष्मीचन्द मेहता दूसरी तथा नौवीं राजस्थान विधान सभा के लिए सांचौर निर्वाचन क्षेत्र से क्रमशः राम राज्य परिषद् तथा भारतीय जनता पार्टी के विधायक निर्वाचित हुए। विधान सभा के कार्यकाल में आप अनेक समितियों के सदस्य रहे।

(श्री अध्यक्ष)

जनसंघ के सक्रिय कार्यकर्ता रहे श्री मेहता ने अनेक आन्दोलनों में भाग लिया और आपातकाल के दौरान जेल यात्रा भी की। श्री मेहता अपने सार्वजनिक जीवन में अनेक सामाजिक संस्थाओं से सम्बद्ध रहे।

श्री लक्ष्मीचन्द मेहता का दिनांक 20 अप्रेल, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक चौधरी श्री आत्माराम का जन्म हनुमानगढ़ जिले की संगरिया तहसील के ग्राम लीलावाली में हुआ। आपने राजकीय इन्टर कालेज, भटिण्डा तथा राजकीय महाविद्यालय, फिरोजपुर में अध्ययन कर बी.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री आत्माराम सातवीं विधान सभा के लिए हनुमानगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस (आई) के विधायक निर्वाचित हुए। विधान सभा में आप याचिका समिति तथा गृह समिति के सदस्य रहे।

श्री आत्माराम अपने सार्वजनिक जीवन में ग्राम पंचायत, लीलावाली के सरपंच, जिला बोर्ड, श्रीगंगानगर के चेयरमैन, पंचायत समिति, हनुमानगढ़ के प्रधान, भूमि विकास बैंक एवं कृषि उपज मण्डी समिति, संगरिया के अध्यक्ष तथा श्रीगंगानगर के जिला प्रमुख रहे। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहे श्री आत्माराम जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष भी रहे।

चौधरी श्री आत्माराम का दिनांक 4 अगस्त, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक चौधरी श्री नत्थीसिंह का जन्म 25 मार्च, 1930 को अलवर जिले के लक्ष्मणगढ़ में हुआ। आपने बी.ए. की उपाधि प्राप्त की।

श्री नत्थीसिंह तीसरी तथा छठी राजस्थान विधान सभा में क्रमशः संयुक्त समाजवादी दल तथा जनता पार्टी के विधायक रहे। आप छठी विधान सभा में प्राक्कलन समिति के सदस्य भी रहे।

श्री नत्थीसिंह अपने सार्वजनिक जीवन में गंडूरा ग्राम पंचायत के सरपंच तथा पंचायत समिति, लक्ष्मणगढ़ के प्रधान रहे। आप जिला सहकारी संघ, जाट महासभा तथा जिला किसान सभा, अलवर के अध्यक्ष रहे।

श्री नत्थीसिंह का दिनांक 28 जुलाई, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री हरिवल्लभ शर्मा

(श्री अध्यक्ष)

का जन्म 4 अगस्त, 1923 को सवाईमाधोपुर जिले की खण्डार तहसील के ग्राम बालेर में हुआ। आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री हरिवल्लभ शर्मा चौथी राजस्थान विधान सभा के लिए सवाईमाधोपुर निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र पार्टी के विधायक निर्वाचित हुए। श्री शर्मा इससे पूर्व कांग्रेस के सक्रिय सदस्य रहे। आप 5 वर्ष तक शहर कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे। अपने सार्वजनिक जीवन में आप तीन वर्ष नगरपालिका के अध्यक्ष, चार वर्ष केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष तथा लगभग दो वर्ष सवाईमाधोपुर के जिला प्रमुख रहे।

श्री हरिवल्लभ शर्मा का दिनांक 26 जुलाई, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री जगन सिंह का जन्म 1922 में सीकर जिले की लक्ष्मणगढ़ तहसील के बाटड़ानाऊ ग्राम में हुआ। आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री जगन सिंह तीसरी राजस्थान विधान सभा के लिए दांतारामगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से कांग्रेस के विधायक निर्वाचित हुए। विधान सभा में आप अपने क्षेत्र के विकास के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहे। आप सीकर जिला प्रजामण्डल व जिला कांग्रेस के अध्यक्ष रहे। आपकी खेलों के प्रति विशेष रुचि थी।

श्री जगन सिंह का दिनांक 22 जून, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री मथुरेश बिहारी माथुर का जन्म 25 मार्च, 1928 को दौसा जिले के बांदीकुई कस्बे में हुआ। आपने बी.ए., एलएल.बी. की उपाधियां प्राप्त कीं।

श्री मथुरेश बिहारी माथुर तीसरी राजस्थान विधान सभा के लिए बांदीकुई निर्वाचन क्षेत्र से स्वतंत्र पार्टी के विधायक निर्वाचित हुए। आप नगरपालिका, दौसा के चेयरमैन, नगर सुधार मण्डल, दौसा के सचिव तथा जिला बोर्ड, जयपुर के सदस्य रहे।

श्री मथुरेश बिहारी माथुर का निधन हो गया।

पूर्व विधायक सुश्री शन्नो देवी का जन्म 19 अक्टूबर, 1923 को चूरू जिले के सुजानगढ़ कस्बे में हुआ। आपने एम.ए. (संस्कृत) की उपाधि प्राप्त की।

(श्री अध्यक्ष)

सुश्री शन्नो देवी दूसरी राजस्थान विधान सभा के लिए सुजानगढ़ निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय सदस्या के रूप में निर्वाचित हुई। आजीवन समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए सक्रिय रही सुश्री शन्नो देवी हरिजन सेवक संघ की सुजानगढ़ शाखा की अध्यक्षा रही। आपने सुजानगढ़ में महिला कल्याण केन्द्र तथा महिला समाज सेवा संघ शाखा की स्थापना की। आप लगभग दो वर्ष सुजानगढ़ नगरपालिका की उपाध्यक्ष तथा पांच वर्ष राजस्थान राज्य समाज कल्याण सलाहकार बोर्ड की सदस्य रही। आप सुजानगढ़ सहकारी समिति तथा केन्द्रीय सहकारी बैंक, बीकानेर की डायरेक्टर भी रही।

सुश्री शन्नो देवी का दिनांक 13 मई, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री रामचन्द्र आर्य का जन्म 13 जून, 1919 को हनुमानगढ़ जिले की नोहर तहसील के ग्राम ढंढेला में हुआ। आपने मैट्रिक तक शिक्षा प्राप्त की?

श्री रामचन्द्र आर्य चौथी राजस्थान विधान सभा के लिए नोहर निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय विधायक निर्वाचित हुए। इससे पूर्व आप लगभग 15 वर्ष तक जिला कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहे। स्वतंत्रता सेनानी श्री आर्य लम्बे समय तक ग्राम पंचायत, ढंढेला के सरपंच रहे। आप पंचायत समिति, नोहर के प्रधान भी रहे। समाज सेवा में रुचि रखने वाले श्री आर्य अपने सार्वजनिक जीवन में अनेक सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़े रहे।

श्री रामचन्द्र आर्य का दिनांक 19 अगस्त, 2002 को निधन हो गया।

पूर्व विधायक श्री चेनाराम चौधरी का जन्म 18 सितम्बर, 1929 को नागौर जिले की डीडवाना तहसील के ग्राम बड़ावरा में हुआ। आपने उच्च प्राथमिक स्तर तक की शिक्षा प्राप्त की।

श्री चेनाराम चौधरी दसवीं राजस्थान विधान सभा में डीडवाना निर्वाचन क्षेत्र के निर्दलीय विधायक रहे। विधान सभा में आप प्रश्न एवं संदर्भ समिति के सदस्य रहे। तहसील पंचायत, डीडवाना के उप सरपंच रहे श्री चौधरी लम्बे समय तक पंचायत समिति, डीडवाना के प्रधान रहे। आप भूमि विकास बैंक, नागौर तथा सैंट्रल कोआपरेटिव बैंक, नागौर के चेयरमैन भी रहे। समाज सेवा, कृषि और पशुपालन में आपकी रुचि रही।

(श्री अध्यक्ष)

श्री चेनाराम चौधरी का दिनांक 20 अगस्त, 2002 को निधन हो गया।

मैं, दिवंगत व्यक्तियों को अपनी ओर से तथा इस सदन के सभी माननीय सदस्यों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करे तथा उनके शोक संतप्त परिजनों को उनका बिछोह सहन करने की शक्ति दे।

माननीय सदस्यगण कृपया दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत व्यक्तियों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करें।

(सदन के सभी माननीय सदस्यगण द्वारा दो मिनट मौन खड़े रहकर दिवंगत व्यक्तियों की आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की गई)

श्री बाबूलाल सिंगारिया (केकड़ी): अध्यक्ष महोदय, भीखाभाई भील को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब कार्मिक विभाग के द्वारा बाइस हजार अनुसूचित जनजाति के रिक्त पदों को रोस्टर प्रणाली से भर दिया जाए, तभी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

श्री अध्यक्ष : सदन की बैठक मंगलवार, दिनांक 27 अगस्त, 2002 के प्रातः...

श्री जीतमल खांट (बागीदौरा) : मैं इसका समर्थन करता हूं।

श्री अध्यक्ष : ....11.00 बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

(तदनन्तर सदन की बैठक 11.28 बजे मंगलवार, दिनांक 27 अगस्त, 2002 के 11.00 बजे तक के लिए स्थगित हुई)